ईएसओ 300-16

सन्दर्भ: हबल स्पेस टेलीस्कोप ने अनियमित आकाशगंगा ESO 300-16 की एक छवि खींची, जो 28.7 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर एरिडानस तारामंडल में पाई गई।

अनियमित आकाशगंगाएँ:

- अनियमित आकाशगंगाओं में सर्पिल या अण्डाकार प्रकार जैसे परिभाषित आकार का अभाव होता है और वे बौनी (100 मिलियन सौर द्रव्यमान) से लेकर बड़ी (10 बिलियन सौर द्रव्यमान) तक विस्तृत होती हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में गैस और धूल की मात्रा होती है।

अनियमित आकाशगंगाओं का निर्माण:

- अनियमित आकाशगंगा का निर्माण विभिन्न तंत्रों से होता है। टकराव के कारण आकाशगंगाएँ अनियमित हो सकती हैं, जहाँ गुरुत्वाकर्षण बल अद्वितीय घूर्णी पैटर्न उत्पन्न करते हैं। यद्यपि चल रहे असममित घूर्णन के कारण युवा आकाशगंगाएँ अनियमित आकार भी प्रदर्शित कर सकती हैं।

अनियमित आकाशगंगाओं की विशेषताएँ:

- टकरावों या अंत:क्रियाओं से उत्पन्न अनियमित आकाशगंगाओं में युवा और पुराने सितारों का मिश्रण होता है, जो उनके विविध स्वरूप में योगदान देता है।

हबल स्पेस टेलीस्कोप (एचएसटी):

- नासा की देखरेख में निर्मित, एचएसटी 20वीं सदी के प्रमुख खगोलशास्त्री एडविन हबल का सम्मान करता है। इसे 25 अप्रैल, 1990 को अंतरिक्ष यान डिस्कवरी पर लॉन्च किया गया था, जो पृथ्वी से लगभग 600 किमी (370 मील) ऊपर परिक्रमा कर रहा था।

हबल स्पेस टेलीस्कोप का महत्व:

- एक सर्वोपरि वैज्ञानिक उपकरण के रूप में प्रतिष्ठित, एचएसटी ने 1.5 मिलियन से अधिक अवलोकन तैयार किए हैं, जिन्होंने लगभग 18,000 शोध पत्रों में योगदान दिया है। एक स्कूल बस से भी अधिक विस्तार सहित 7.9 फीट के दर्पण के साथ, यह दूरबीन गहरे अंतरिक्ष की मनोरम तस्वीरें खींचती है। सुदूर आकाशीय पिंडों के अवलोकन में इसकी भूमिका ने ब्रह्मांड की जटिलताओं के बारे में हमारी समझ को काफी हद तक बढ़ा दिया है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST)

- **उद्देश्य**: JWST हबल स्पेस टेलीस्कोप की जगह लेने के लिए NASA, ESA और CSA द्वारा विकसित एक परिष्कृत अंतरिक्ष वेधशाला है।
- **लॉन्च और स्थान**: इसे फ्रेंच गुयाना से एरियन 5 रॉकेट के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा और पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर दूसरे लैग्रेंज पॉइंट (L2) पर स्थित किया जाएगा।
- **इन्फ्रारेड फोकस**: JWST इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रम के अवलोकन, दूर की आकाशगंगाओं के अध्ययन में सहायता, तारा निर्माण और एक्सोप्लैनेट वायुमंडल में उत्कृष्टता प्राप्त करता है।
- **तकनीक विनिर्देश**: 6.5-मीटर प्राथमिक दर्पण (हबल से 2.5 गुना अधिक) के साथ, JWST में नियर इन्फ्रारेड कैमरा (NIRCam) और मिड-इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट (MIRI) जैसे उन्नत उपकरण हैं।
- **मिशन लक्ष्य**: JWST का लक्ष्य आकाशगंगा, तारे और ग्रह प्रणाली के विकास का पता लगाना, एक्सोप्लैनेट की रहने की क्षमता का आकलन करना और प्रारंभिक ब्रह्मांड स्थितियों में अंतर्दृष्टि का अनावरण करना है।

प्रकृति संरक्षण समझौते के लिए ऋण

सन्दर्भ: गैबॉन ने समुद्री संरक्षण के लिए 500 मिलियन डॉलर के ऋण विनिमय समझौते की घोषणा की।

- **प्रकृति के लिए ऋण मुक्ति**: इस अवधारणा में प्रकृति संरक्षण प्रयासों को वित्तपोषित करने की प्रतिबद्धता के बदले विकासशील देशों के ऋण के बोझ को कम करना शामिल है।
- **1980 के ऋण संकट की उत्पत्ति**: इस विचार की जड़ें 1980 के दशक के ऋण संकट में समाहित हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता**: विकासशील देश इस तंत्र के माध्यम से विकसित देशों के वित्तीय संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
- **पर्यावरण प्रतिबद्धता**: विकसित देश विकासशील देशों को कर्ज इस शर्त पर देते हैं कि विकासशील देश प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए धन आवंटित कर सकें।
- **ऋण प्रतिस्थापन**: आमतौर पर, विकसित देशों के बैंक विकासशील देशों के ऋण खरीदते हैं और उन्हें लंबी परिपक्वता अवधि और कम ब्याज दरों वाले नए ऋणों से बदल देते हैं, जिससे संरक्षण पहल को बढ़ावा मिलता है।

गैबॉन का सौदा

- **गैबॉन का प्रकृति के बदले ऋण स्वैप**: गैबॉन ने समुद्री संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए $500 मिलियन की ऋण-के-प्रकृति अदला-बदली पहल शुरू की है।
- **ब्लू बॉन्ड रणनीति**: यह ब्लू बांड ढांचे के तहत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौदा है, जो समुद्री संसाधन संरक्षण के साथ ऋण पुनर्वित्त को जोड़ता है।
- **अफ्रीकी मील का पत्थर**: यह व्यवस्था अफ्रीका के इस तरह के सबसे बड़े सौदे का भी प्रतीक है, क्योंकि महाद्वीप के किसी भी अन्य देश ने समुद्री संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए प्रकृति के बदले ऋण की इतनी बड़ी अदला-बदली नहीं की है।
- **दोहरे उद्देश्य**: इस कदम के माध्यम से, गैबॉन अपने राष्ट्रीय ऋण में से $500 मिलियन का पुनर्वित्त करना चाहता है, साथ ही इन निधियों को अपनी सीमाओं के भीतर समुद्री संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए निर्देशित करना चाहता है।

नीला बांड

- **ब्लू बांड परिभाषित**: समुद्री परियोजनाओं का समर्थन करने वाले, पर्यावरणीय और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने वाले नवीन वित्तीय उपकरण।
- **ग्रीन बांड का सबसेट**: समुद्री संरक्षण, मत्स्य पालन और समुद्री परियोजनाओं को वित्तपोषित करने वाले विशेष उपकरण।
- **विश्व बैंक का परिप्रेक्ष्य**: ब्लू बांड सरकारों या विकास बैंकों द्वारा जारी किए गए ऋण साधन हैं, जो पर्यावरण, आर्थिक और जलवायु लाभ वाली परियोजनाओं को वित्तपोषित करते हैं।
- **सेशेल्स का पथप्रदर्शक**: सेशेल्स ने वैश्विक महासागर संरक्षण की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए 2018 में पहला सॉवरेन ब्लू बांड लॉन्च किया।
- **गैबॉन का प्रकृति के बदले ऋण स्वैप**: गैबॉन की $500 मिलियन ऋण-प्रकृति पहल समुद्री संरक्षण पर जोर देती है।
- **ब्लू बॉन्ड रणनीति**: दूसरा सबसे बड़ा ब्लू बांड सौदा, ऋण पुनर्वित्त को समुद्री संरक्षण के साथ विलय करना।
- **अफ्रीकी मील का पत्थर**: अफ्रीका का प्रकृति के बदले ऋण की सबसे बड़ी अदला-बदली, समुद्री संरक्षण पर ध्यान केंद्रित।
- **दोहरे उद्देश्य**: गैबॉन का लक्ष्य अपनी सीमाओं के भीतर समुद्री संरक्षण के लिए $500 मिलियन का ऋण पुनर्वित्त करना है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 August, 2023

उप चुनाव

सन्दर्भ: चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में राज्य सभा की एक आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव कराने का निर्णय लिया है।

आकस्मिक रिक्ति

- आकस्मिक रिक्ति तब होती है जब किसी सदस्य के इस्तीफे या मृत्यु जैसे कारणों से विधायी सदन में एक सीट खाली हो जाती है। ऐसे मामलों में, सीट भरने के लिए रिक्ति के छह महीने के भीतर उपचुनाव होता है।

उप-चुनाव :

- उपचुनाव, जिन्हें विशेष चुनाव भी कहा जाता है, विधायी निकायों में रिक्त सीटों को भरने के लिए आयोजित किए जाते हैं।
- चुनावी चक्र में उपचुनावों का महत्व है क्योंकि वे अप्रत्याशित रिक्तियों को संबोधित करते हैं।
- उपचुनावों का मुख्य उद्देश्य विधायी निकाय में प्रभावित निर्वाचन क्षेत्र या जिले के लिए शीघ्र प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।
- उपचुनाव तब निर्धारित होते हैं जब किसी मौजूदा सदस्य की मृत्यु, इस्तीफे, अयोग्यता या निष्कासन के कारण विधायिका में एक सीट खाली हो जाती है।
- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 151ए, चुनाव आयोग को संसद और राज्य विधानमंडलों के सदनों में आकस्मिक रिक्तियों को रिक्ति होने के छह महीने के भीतर उप-चुनाव के माध्यम से भरने का आदेश देती है, यदि किसी सदस्य का शेष कार्यकाल एक वर्ष है या इससे अधिक।
- यदि लोकसभा का शेष कार्यकाल रिक्ति होने से एक वर्ष से कम है तो उपचुनाव कराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

राज्यसभा के चुनाव का फॉर्मूला

- **राज्य सभा चुनाव प्रक्रिया:** राज्यसभा सदस्यों का चयन विधायकों द्वारा किया जाता है। हालाँकि, यह हमेशा लोकसभा में पार्टियों की ताकत के अनुरूप नहीं होता है।
- **वरीयता-आधारित मतदान**: प्रत्येक सीट के लिए व्यक्तिगत रूप से मतदान करने के बजाय, विधायक उम्मीदवारों को वरीयता के आधार पर रैंक करते हैं, जिससे व्यापक प्रतिनिधित्व की अनुमति मिलती है।
- **चुनाव मानदंड**: पहली पसंद के वोटों की एक निश्चित संख्या जीतने वाले उम्मीदवार निर्वाचित होते हैं। फिर अधिशेष वोट घटते मूल्यों वाले अन्य उम्मीदवारों के पास चले जाते हैं।
- **प्रथम वरीयता प्रणाली**: विधायक से शीर्ष रैंक हासिल करने वाले उम्मीदवार प्रथम वरीयता वोट अर्जित करते हैं। जीतने के लिए, उम्मीदवारों को इन प्रथम वरीयता वोटों के एक विशिष्ट कोटा की आवश्यकता होती है, जो राज्य विधानसभा के आकार और राज्यसभा सांसदों पर निर्भर करता है।
- **उद्धरण सूत्र**: किसी उम्मीदवार के लिए विजयी कोटा की गणना इस प्रकार की जाती है = [कुल वोट / (राज्यसभा सीटों की संख्या + 1)] + 1।
- **एकाधिक सीटें**: जब कई सीटें भरने की आवश्यकता होती है, तो सूत्र बदल जाता है: आवश्यक कुल वोट = [(वोट x 100) / (रिक्तियों की संख्या + 1)] + 1।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अफ़्रीकी स्वाइन फीवर

अत्यधिक संक्रामक अफ़्रीकी स्वाइन फ़ीवर वायरस 2021 से अब तक 49 देशों में फैल चुका है।

अफ़्रीकी स्वाइन फ़ीवर क्या है?

अफ़्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो घरेलू और जंगली सूअरों को प्रभावित करती है। इसमें मृत्यु दर बहुत अधिक है और यह सूअरों आबादी के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है।

प्रभाव:

- जनवरी 2021 से एएसएफ 49 देशों में फैल गया है।
- यह संक्रमित सूअरों में लगभग 100% मृत्यु का कारण बनता है।
- इसके परिणामस्वरूप जानवरों की काफी हानि हुई है, जिससे घरेलू सूअर और जंगली सूअर दोनों प्रभावित हुए हैं।
- इस बीमारी का सुअर पालन और खाद्य सुरक्षा पर प्रमुख आर्थिक प्रभाव पड़ता है।

वैश्विक उपस्थिति:

- एएसएफ एशिया, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया सहित दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में फ़ैल चुका है।
- यह बीमारी सबसे पहले 1921 में केन्या में सामने आई थी।

एएसएफ विशेषताएँ:

- यह संपर्क, दूषित वस्तुओं और संक्रमित टीकों से फैलता है।
- इसका कोई इलाज या टीका नहीं।
- **नियंत्रण:** हत्या, निपटान, जैव सुरक्षा और जागरूकता।

भारत का अनुभव:

- भारत लंबे समय तक एएसएफ से बचने में कामयाब रहा था, परन्तु पहला मामला 2020 में सामने आया था।
- 2023 में भी कुछ मामले सामने आए, जो बीमारी के बने रहने का संकेत देते हैं।

सिफ़ारिशें: विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) विज्ञान-आधारित नियंत्रण कार्यक्रमों का सुझाव देता है।

मेथनोट्रॉफ़्स

हाल ही में, एक जीवाणु स्ट्रेन, मिथाइलोटुविमाइक्रोबियम ब्यूरेंटेंस 5GB1C, ने मीथेन का उपभोग करने की क्षमता दिखाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग में 30% का प्रमुख योगदानकर्ता है।

मेथनोट्रोफ़्स के बारे में:

यह एक सूक्ष्मजीव (बैक्टीरिया) है जो अपने ऊर्जा स्रोत के रूप में मीथेन का उपभोग करते हैं।

भूमिका: वे मीथेन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देने वाली एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है।

रूपांतरण: मीथेनोट्रॉफ़्स मीथेन को बायोमास और उप-उत्पादों में परिवर्तित करते हैं, जिससे इसे वायुमंडल में सांद्रित होने से रोका जाता है।

कम सांद्रता: कुछ मिथेनोट्रॉफ़, जैसे मिथाइलोटुविमाइक्रोबियम ब्यूरेंटेंस 5GB1C, निम्न स्तर (200-500 पीपीएम) पर भी मीथेन का उपभोग कर सकते हैं।

प्रभाव: मीथेन को कम करके, वे ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने में मदद करते हैं, क्योंकि मीथेन CO_2 की तुलना में अधिक वार्मिंग-प्रभावी है।

अनुप्रयोग: मेथनोट्रॉफ़ का बायोरेमेडिएशन और बायोएनर्जी उत्पादन में जैव प्रौद्योगिकी उपयोग होता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 August, 2023

बेदाग ज़िराफ़

हाल ही में, टेनेसी के ब्राइट्स चिड़ियाघर में एक दुर्लभ घटना घटी - 31 जुलाई को एक जिराफ़ के बच्चे का जन्म बिना किसी धब्बे के हुआ।

के बारे में:

- भूरे फर वाले एक दुर्लभ, बेदाग जिराफ़ का जन्म 31 जुलाई को टेनेसी चिड़ियाघर में हुआ था।
- छह फीट लंबे इस बछड़े की विशिष्ट उपस्थिति इसे वैश्विक स्तर पर अद्वितीय बनाती है।
- चिड़ियाघर द्वारा "अद्वितीय," "असामान्य," "सबसे सुंदर," और "महान सुंदरता में से एक" को इसके नाम के विकल्प के रूप में पेश किया गया है,जिसे 4 सितंबर तक सार्वजनिक मतदान के लिए आमंत्रित भी किया गया है।
- लोग 4 सितंबर तक अपने पसंदीदा नाम के लिए वोट कर सकते हैं, सबसे लोकप्रिय विकल्प का खुलासा बाद में किया जाएगा।
- चिड़ियाघर ने वन्यजीव संरक्षण के लिए **'सेव जिराफ नाउ'** के साथ साझेदारी की है, जिसका लक्ष्य भविष्य के लिए इन प्राणियों की रक्षा करना है।
- 2016 में, तंजानिया के तारानगिरे राष्ट्रीय उद्यान में ल्यूसिज्म वाले सफेद जिराफ देखे गए, जो असाधारण रंग का प्रदर्शन कर रहे थे।

नीलम नदी

नए सिरे से भारत-पाकिस्तान युद्धविराम के बाद, उत्तरी कश्मीर के केरन गांव में व्यापक प्रयासों के साथ, पर्यटन के लिए नीलम नदी के किनारे बंकरों को होमस्टे में परिवर्तित किया जा रहा है।

के बारे में:

- नीलम नदी (सहायक नदी: झेलम नदी)
- नीलम नदी (किशनगंगा) का उद्गम जम्मू-कश्मीर से होता है।
- पहाड़ी इलाकों से होकर उत्तर पश्चिम की ओर बहती है।
- भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा के पास बहती है।
- यह अपने स्थान के कारण भू-राजनीतिक महत्व रखती है।
- किशनगंगा जलविद्युत संयंत्र इसी नदी पर है।
- विवादित परियोजना द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर रही है।

फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र

हाल ही में, यह घोषणा की गई है कि जापान में फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र 24 अगस्त से उपचारित रेडियोधर्मी पानी को समुद्र में छोड़ना शुरू कर देगा।

के बारे में:

- फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापान के फुकुशिमा प्रान्त में स्थित है।
- 11 मार्च, 2011 को भूकंप और सुनामी के बाद संयंत्र को एक विनाशकारी घटना का सामना करना पड़ा था।
- आपदा के समय संयंत्र में छह परमाणु रिएक्टर थे।
- भूकंप और उसके बाद आई सुनामी के कारण तीन रिएक्टर पिघल गए, जिससे एक गंभीर परमाणु दुर्घटना घटित हुई।
- रिएक्टर के पिघलने के परिणामस्वरूप रेडियोधर्मी सामग्री पर्यावरण में फैल गई, जिससे आसपास का क्षेत्र काफी हद तक प्रदूषित हो गया।
- जापानी सरकार ने संयंत्र से प्रशांत महासागर में रेडियोधर्मी पानी के निपटान को मंजूरी दे दी।

मुल्लापेरियार बांध

हाल ही में, मुल्लापेरियार बांध में जल स्तर 119.20 फीट था, जो 142 फीट के अनुमेय स्तर से नीचे है।

के बारे में:

- मुल्लापेरियार बांध पेरियार नदी और उसकी सहायक नदी मुल्लायार पर स्थित है।
- इसका नाम "मुल्लापेरियार" "मुल्ला" (पेरियार की एक सहायक नदी) और "पेरियार" से मिलकर बना है।
- यह बांध समुद्र तल से 881 मीटर (2,890 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है।
- यह भारत के केरल के इडुक्की जिले में थेक्कडी के पास, पश्चिमी घाट की इलायची पहाड़ियों में स्थित है।
- इस बांध का निर्माण 1887 और 1895 के बीच ब्रिटिश इंजीनियर जॉन पेनीकुइक द्वारा किया गया था।
- बांध का प्राथमिक उद्देश्य मद्रास प्रेसीडेंसी (अब तमिलनाडु) में सिंचाई और कृषि गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पेरियार नदी से पानी को पूर्व की ओर मोड़ना था।
- बांध का संचालन और जल-बंटवारे की व्यवस्था केरल और तमिलनाडु के बीच विवाद और कानूनी लड़ाई का एक स्रोत रही है।

समाचारों में स्थान

लिकरू-मिग ला-फुक्चे' रोड

हाल ही में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में 'लिकरू-मिग ला-फुकचे' सड़क का निर्माण शुरू किया है।

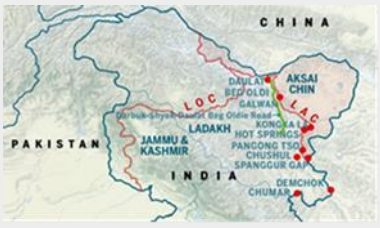

स्थान: डेमचोक सेक्टर, लद्दाख

निर्माणकर्ता : सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)

उद्देश्य: वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास फुकचे सेक्टर में सैन्य चौकियों तक कनेक्टिविटी स्थापित करना।

ऊंचाई: लगभग 19,400 फीट

महत्व: दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क, जो उमलिंग ला को पार करती है।

सर्व-महिला पर्यवेक्षण:

पर्यवेक्षण: कर्नल पोनुंग डोमिंग के नेतृत्व में, पूरी तरह से महिला बीआरओ इकाई द्वारा संपन्न किया गया।

बढ़ावा देता है: यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लिंगीय समावेशन को बढ़ावा देता है।

अन्य उल्लेखनीय परियोजनाएँ:

- **शिंकू ला सुरंग:** कनेक्टिविटी बढ़ाने की बीआरओ की पहल का हिस्सा।
- **'न्योमा एयरफ़ील्ड' निर्माण:** क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में सुधार में योगदान देता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

POINTS TO PONDER

- **थाईलैंड के नए प्रधान मंत्री के रूप में किसे चुना गया**? –श्री श्रीथा थाविसिन
- **2023 में** BRICS **शिखर सम्मेलन कहाँ शुरू हो रहा है**? –दक्षिण अफ्रीका
- **केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड** (CBIC) **ने किस देश के साथ पारस्परिक मान्यता व्यवस्था** (MRA) **पर हस्ताक्षर किए**? –ऑस्ट्रेलिया
- **कौन सा देश 'चुनावों में सूचना अखंडता और सार्वजनिक विश्वास का संरक्षण' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है?** –ब्राज़ील
- **भारत ने कच्चे तेल के लिए अपना प्रारंभिक भुगतान किस देश की स्थानीय मुद्रा में किया है**? –संयुक्त अरब अमीरात